

## MGPE-13

### IMPORTANT QUESTIONS (part-2)

#### In Hindi and English both

#### WHAT ARE THE EIGHT ACTION AREAS OF CREATING GLOBAL PEACE

##### 1. Promoting a Culture of Peace

- **शांति की संस्कृति को बढ़ावा देना:** Fostering attitudes, behaviors, and values that reject violence and promote peace through education, communication, and community involvement.
- शिक्षा, संचार और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से हिंसा को अस्वीकार करने और शांति को बढ़ावा देने वाले दृष्टिकोण, व्यवहार और मूल्यों को बढ़ावा देना।

##### 2. Advancing Disarmament

- **निशस्त्रीकरण को बढ़ाना:** Reducing and eventually eliminating weapons, especially weapons of mass destruction, to decrease the potential for armed conflict and enhance global security.
- हथियारों, विशेषकर व्यापक विनाश के हथियारों को कम करना और अंततः समाप्त करना ताकि सशस्त्र संघर्ष की संभावना कम हो और वैश्विक सुरक्षा बढ़े।

##### 3. Securing Human Rights

- **मानवाधिकारों को सुरक्षित करना:** Ensuring that every individual has access to basic rights and freedoms, such as freedom of speech, equality, and justice, to build a more just and peaceful society.
- हर व्यक्ति को बुनियादी अधिकार और स्वतंत्रता, जैसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता और न्याय, तक पहुँच सुनिश्चित करना

ताकि एक अधिक न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण समाज का निर्माण हो सके।

#### 4. Advancing Sustainable Development

- **सतत विकास को बढ़ावा देना:** Promoting economic and social development that meets the needs of the present without compromising the ability of future generations to meet their own needs, focusing on environmental sustainability and poverty reduction.
- आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना जो वर्तमान की जरूरतों को पूरा करता है बिना भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों को नुकसान पहुंचाए, पर्यावरणीय स्थिरता और गरीबी उन्मूलन पर ध्यान केंद्रित करते हुए।

#### 5. Promoting Democracy

- **लोकतंत्र को बढ़ावा देना:** Encouraging political systems that ensure participation, representation, accountability, and the rule of law, thereby enhancing stability and peace.
- राजनीतिक प्रणालियों को प्रोत्साहित करना जो भागीदारी, प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और कानून के शासन को सुनिश्चित करते हैं, इस प्रकार स्थिरता और शांति को बढ़ावा देना।

#### 6. Promoting Tolerance and Solidarity

- **सहिष्णुता और एकजुटता को बढ़ावा देना:** Encouraging understanding, acceptance, and cooperation among different cultures, religions, and communities to foster social cohesion and prevent conflict.
- विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों और समुदायों के बीच समझ, स्वीकृति और सहयोग को प्रोत्साहित करना ताकि सामाजिक एकता को बढ़ावा मिले और संघर्ष रोका जा सके।

#### 7. Advancing International Security

- **अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ाना:** Strengthening global security frameworks and cooperation among nations to address threats such as terrorism, cyber-attacks, and transnational crime.
- वैश्विक सुरक्षा ढाँचों और राष्ट्रों के बीच सहयोग को मजबूत करना ताकि आतंकवाद, साइबर हमले और अंतरराष्ट्रीय अपराध जैसी खतरों का सामना किया जा सके।

#### 8. Supporting Conflict Resolution and Peacebuilding

- **संघर्ष समाधान और शांति निर्माण का समर्थन करना:** Developing and implementing strategies to resolve conflicts through dialogue, negotiation, and mediation, and building lasting peace by addressing the root causes of conflicts and fostering reconciliation and reconstruction efforts.
- संवाद, वार्ता और मध्यस्थता के माध्यम से संघर्षों को सुलझाने के लिए रणनीतियों का विकास और कार्यान्वयन करना, और संघर्षों के मूल कारणों का समाधान कर और सुलह और पुनर्निर्माण प्रयासों को बढ़ावा देकर स्थायी शांति का निर्माण करना।

#### GRAMSCI'S NOTION OF CIVIL SOCIETY

Antonio Gramsci, an Italian Marxist philosopher, developed a nuanced concept of civil society that plays a crucial role in his theory of cultural hegemony. Gramsci's notion of civil society diverges from traditional Marxist thought, which often focused primarily on economic structures and the state.

Antonio Gramsci, एक इतालवी मार्क्सवादी दार्शनिक, ने सिविल सोसाइटी की एक जटिल अवधारणा विकसित की, जो उनकी सांस्कृतिक आधिपत्य की

सिद्धांत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पारंपरिक मार्क्सवादी विचार से अलग, Gramsci का सिविल सोसाइटी का विचार आर्थिक संरचनाओं और राज्य पर ध्यान केंद्रित करने से हटकर है।

## Gramsci's Concept of Civil Society

### Gramsci की सिविल सोसाइटी की अवधारणा

#### 1. Definition and Components

- **Civil Society:** For Gramsci, civil society includes institutions and organizations such as schools, churches, trade unions, media, and cultural associations. These entities operate independently from the state and the economic base, and they are crucial in shaping public opinion and cultural norms.
- **सिविल सोसाइटी:** Gramsci के लिए, सिविल सोसाइटी में स्कूल, चर्च, ट्रेड यूनियन, मीडिया और सांस्कृतिक संघ जैसे संस्थान और संगठन शामिल हैं। ये संस्थाएं राज्य और आर्थिक आधार से स्वतंत्र रूप से कार्य करती हैं, और ये सार्वजनिक राय और सांस्कृतिक मानदंडों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- **Political Society vs. Civil Society:** Gramsci differentiates between political society (the state, including its institutions like the military, police, and legal system, which exert direct control) and civil society (the network of private organizations and institutions that influence beliefs and values).
- **राजनीतिक समाज बनाम सिविल सोसाइटी:** Gramsci राजनीतिक समाज (राज्य, जिसमें इसके संस्थान जैसे सेना, पुलिस, और कानूनी प्रणाली शामिल हैं, जो प्रत्यक्ष नियंत्रण करते हैं) और सिविल सोसाइटी (निजी संगठनों और संस्थानों का

नेटवर्क जो विश्वासों और मूल्यों को प्रभावित करता है) के बीच अंतर करते हैं।

## 2. Role in Cultural Hegemony

- **Hegemony:** Gramsci's theory of hegemony describes how the ruling class maintains power not just through coercion (political society) but through the consent of the governed, which is generated in civil society. The ruling class uses civil society to propagate its ideology and secure the voluntary allegiance of the masses.
- **आधिपत्य:** Gramsci का आधिपत्य का सिद्धांत वर्णन करता है कि शासक वर्ग अपनी शक्ति को केवल बल प्रयोग (राजनीतिक समाज) के माध्यम से नहीं, बल्कि नागरिक समाज में उत्पन्न शासन की सहमति के माध्यम से बनाए रखता है। शासक वर्ग अपनी विचारधारा को फैलाने और जनता की स्वैच्छिक निष्ठा सुनिश्चित करने के लिए सिविल सोसाइटी का उपयोग करता है।
- **Ideological Control:** Civil society is where the battle for ideological control takes place. Through education, media, and cultural institutions, dominant groups disseminate their worldview, making it seem natural and inevitable, thereby securing consent.
- **विचारधारात्मक नियंत्रण:** सिविल सोसाइटी वह स्थान है जहाँ विचारधारात्मक नियंत्रण की लड़ाई होती है। शिक्षा, मीडिया, और सांस्कृतिक संस्थानों के माध्यम से, प्रमुख समूह अपने विश्व दृष्टिकोण का प्रसार करते हैं, इसे स्वाभाविक और अपरिहार्य बनाते हैं, इस प्रकार सहमति सुनिश्चित करते हैं।

## 3. Counter-Hegemony and the Role of Intellectuals

- **Organic Intellectuals:** Gramsci introduces the concept of "organic intellectuals," who emerge from the working class and are crucial in challenging the dominant

hegemony. These intellectuals help articulate and spread a counter-hegemonic culture and ideology.

- **ऑर्गेनिक इंटेलेक्चुअल्स:** Gramsci "ऑर्गेनिक इंटेलेक्चुअल्स" की अवधारणा प्रस्तुत करते हैं, जो श्रमिक वर्ग से उभरते हैं और प्रमुख आधिपत्य को चुनौती देने में महत्वपूर्ण होते हैं। ये बौद्धिक वर्ग एक प्रतिकूल सांस्कृतिक और विचारधारात्मक ढांचे को स्पष्ट करने और फैलाने में मदद करते हैं।
- **Transformation:** For revolutionary change to occur, the working class must develop its own intellectual and cultural framework within civil society. This involves creating alternative institutions and networks that can challenge the prevailing hegemony.
- **परिवर्तन:** क्रांतिकारी परिवर्तन के लिए, श्रमिक वर्ग को सिविल सोसाइटी के भीतर अपना बौद्धिक और सांस्कृतिक ढांचा विकसित करना होगा। इसमें वैकल्पिक संस्थानों और नेटवर्क का निर्माण शामिल है जो वर्तमान आधिपत्य को चुनौती दे सकते हैं।

#### 4. War of Position vs. War of Movement

- **War of Position:** This metaphor represents the gradual and long-term struggle to build a counter-hegemony within civil society. It involves the creation and strengthening of institutions and ideas that challenge the dominant ideology.
- **स्थिति का युद्ध:** यह रूपक सिविल सोसाइटी के भीतर एक प्रतिकूल आधिपत्य बनाने के लिए धीरे-धीरे और दीर्घकालिक संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है। इसमें प्रमुख विचारधारा को चुनौती देने वाले संस्थानों और विचारों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण शामिल है।
- **War of Movement:** In contrast, this refers to the direct, often revolutionary confrontation with the state.

According to Gramsci, without first winning the war of position in civil society, a successful war of movement against the state is unlikely.

- **आंदोलन का युद्ध:** इसके विपरीत, यह राज्य के साथ सीधे, अक्सर क्रांतिकारी टकराव को संदर्भित करता है। Gramsci के अनुसार, सिविल सोसाइटी में स्थिति का युद्ध जीते बिना, राज्य के खिलाफ आंदोलन का युद्ध सफल होना असंभव है।

Scholarly Minds